DATE 30.9.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chd.

कक्षा- चौथी शिक्षिका- रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-8 आसमान से ऊँचे हौसले) भाग 1

पुस्तक- नवतरंग-4

प्यारे बच्चो, सुप्रभात।

आज हम कक्षा चौथी की पुस्तक नवतरंग के पाठ-8 'आसमान से ऊँचे हौसले' के बारे में पढ़ेंगे। यह पाठ नाटक के रूप लिखा गया है। यह कार्य आपको 30, सितंबर को भेजा जा रहा है।

बच्चो! यदि हम सफलता पाना चाहते हैं, वह कोई भी क्षेत्र हो सकता है। उसके लिए ज़रूरी है नियमित अभ्यास, लगन और आत्मविश्वास। बच्चो, इसके लिए आयु की कोई सीमा नहीं होती है। बस, सपने साकार करने के लिए उस इनसान के हौसले बुलंद होने चाहिए। बच्चो! हमें अपना किसी एक लक्ष्य को लेकर उस पर पूरा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हमें सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

इस पाठ में दो बच्चे नीलांश और शिवि को उनकी ताईजी किसी के व्यक्तित्व को, कहानी के रूप में सुनाएगी। पहले के समय में नानी-दादी अपने पोते-पोतियों और दोहते-दोहित्रियों के लिए रात में सोने से पहले अवश्य कहानी सुनाया करती थीं। कहानी सुनते-सुनते बच्चे गहरी नींद के आगोश में चले जाया करते थे। अब हम पाठ शुरू करते हैं—

ताईजी ने बच्चों को पुकारा- "आओ बच्चो, स्टोरी टाइम" "जी ताईजी, अभी आया।" कहकर नीलांश ने बिजली के समान तीव्र गति से अपना गृहकार्य खत्म किया और दौड़कर ताईजी के कमरे में पहुँच गया। उसके पहुँचने से पहले ही उसकी छोटी बहन शिवि ताईजी के साथ बैठी थी। नीलांश ने भी ताईजी के पास अपनी जगह बना ली। दोनों को अपनी-अपनी जगह बैठे देख ऐसा लग रहा था जैसे विमान में बैठकर उड़ान

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 30.9.24
PAGE No 2

कक्षा - चौथी शिक्षिका - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 आसमान से ऊँचे हौसले)

भरने की प्रतीक्षा कर रहे हों। तभी ताईजी ने कहा - आज मैं तुम्हें एक रोमांचक कहानी सुनाती हूँ जो कि एक पर्वतारोही के बारे में है। तभी शिवि बोली - जो पहाड़ों पर चढ़ते हैं, उन्हें पर्वतारोही कहते हैं ना। पिछले साल जब हम मसूरी गए थे, तो मैं भी पहाड़ पर चढ़ी थी। ताईजी ने प्यार से शिवि के गाल को थपथपाते हुए कहा - हाँ, बिटिया रानी। 2010 में माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले सबसे कम उम्र के देश के पर्वतारोही अर्जुन वाजपेयी को नोएडा के स्टेडियम में सम्मानित किया गया था। मैं भी उस समारोह में गई थी।

शिवि ने पूछा - कितनी उम्र है उनकी? ताईजी ने बताया - 16 वर्ष की आयु में उन्होंने एवरेस्ट पर फतह प्राप्त की थी। अर्जुन वाजपेयी का जन्म 9 जून, 1993 को मेरठ में हुआ था। अपने सम्मान समारोह में अर्जुन ने बताया, "मेरा बचपन का सपना पूरा हो गया। यात्रा के दौरान बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चढ़ते समय तो मुश्किल आई ही, उतरते समय भी दो चट्टानों के बीच फँस गया था। मेरा ऑक्सीजन मास्क भी हट गया था। उस समय मैंने माँ को याद किया। तभी एक शेरपा ने मेरी मदद की। जितनी कठिनाई चढ़ने में होती है, उससे अधिक उतरने में होती है। साथ ही उन्होंने बताया - कोई तब तक चोटी पर चढ़ने की न सोचे, जब तक आत्म-विश्वास न हो।" (नीलांश और शिवि टकटकी लगाए सुन रहे थे।)

बच्चो! अब मैं प्रश्न पूछ लेती हूँ। यहाँ आप तीन मिनट का समय लेकर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न-1 नीलांश और शिवि अपनी ताईजी से किसके बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे थे?
प्रश्न-2 पर्वतारोही किसे कहते हैं?
प्रश्न-3 2010 में पाठ के अनुसार किसे, क्यों सम्मानित किया गया था?

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 30.9.24
PAGE No. 3

कक्षा - चौथी शिक्षिका - रीमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 आसमान से ऊँचे हौसले)

बच्चो! अब आपके अंतराल का समय समाप्त हुआ पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आपने लिख लिए होंगे। अब मैं इनके उत्तर बतानेजा रही हूँ, जो इस प्रकार हैं—

उत्तर-1. नीलांश और शिवि अपनी ताई जी से सबसे कमउम्र के पर्वतारोही अर्जुन वाजपेयी के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे थे।
उत्तर-2. जो पहाड़ों पर चढ़ते हैं, उन्हें पर्वतारोही कहते हैं।
उत्तर-3. 2010 में अर्जुन वाजपेयी को माउंट एवरेस्ट फतह करने पर नोएडा के स्टेडियम में सम्मानित किया गया था। वे देश के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं।

बच्चो! यह पाठ, हम यहाँ तक ही पढ़ेंगे। इसका शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य देने जा रही हूँ, जो इस प्रकार है—

गृहकार्य:- सब बच्चे इस पाठ को उच्च स्वर में 2-3 बार पढ़ेंगे तथा पृष्ठ-58 पर लिखे शब्दार्थ को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

शेष भाग अगले सप्ताह ----

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner